यूपीईएस : 3288 छात्रों को मिली डिग्री तो खिल उठे चेहरे

संवाद न्यूज एजेंसी

देहरादून। यूपीईएस के 22वें दीक्षांत समारोह के मौके पर आयोजित पांच दिवसीय कार्यक्रम का मंगलवार को समापन हो गया। पूरे समारोह में विश्वविद्यालय के सात स्कूल्स के 3288 छात्रों को डिग्री मिली तो उनके चेहरे खुशी से खिल उठे। वहीं, इस मौके पर शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वालों को सम्मानित भी किया गया।

विवि कुलपति डॉ. राम शर्मा ने कहा, हम शिक्षा, रिसर्च और सहयोग की परिवर्तनकारी शक्ति में विश्वास करते हैं। हमारी पहलों ने न केवल प्रभावशाली शोध और उद्यमिता को बढ़ावा दिया है, बल्कि उत्तराखंड में स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी मजबूत किया है। इन प्रयासों ने ग्लोबल और नेशनल रैंकिंग में सुधार, छात्रों के बेहतर परिणाम और सफल प्लेसमेंट में तब्दीली की है।

दीक्षांत समारोह में डिग्री धारक छात्रों के साथ अतिथि। संवाद

उन्होंने बताया, यूपीईएस को बजाज इंजीनियरिंग कौशल प्रशिक्षण पहल की मेजबानी के लिए चुना गया चुना है, जिसके माध्यम से बजाज ऑटो मेक्ट्रोनिक्स, मोशन कंट्रोल और सेंसर टेक्नोलॉजी, रोबोटिक्स और ऑटोमेशन और इंडस्ट्री 4.0 और स्मार्ट मैन्युफैक्चरिंग में प्रशिक्षण प्रदान करेगा।

वहीं, इस मौके पर कलिंगा इंस्टीट्यूट ऑफ इंडस्ट्रियल टेक्नोलॉजी (केआईआईटी) और कलिंग इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज (केआईएसएस) के संस्थापक सचिव प्रो. अच्युत सामंत को शिक्षा और सामाजिक परिवर्तन में उनके प्रभावशाली कार्य के लिए सम्मानित किया गया। ब्रिटिश-भारतीय व्यवसायी लॉर्ड करण बिलिमोरिया को क्रॉस-कल्चरल लीडरशिप में उनके योगदान के लिए सम्मानित किया जाएगा।

पांच दिवसीय दीक्षांत समारोह का हुआ समापन